आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 228 | उज्जैन, मंगलवार 08 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से लुधियाना में प्रमुख उद्योगपतियों ने की वन-टू-वन चर्चा

टेक्सटाइल, फार्मा, स्टील, एथेनॉल और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में निवेश की जताई रुचि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लुधियाना प्रवास के दौरान पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से वन-टू-वन बैठक कर उन्हें मध्यप्रदेश की निवेश समर्थक नीतियों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया कि मध्यप्रदेश सरकार जहाँ भी संभावनाएं दिख रही हैं, वहाँ नीतिगत बदलाव करने के लिए पूरी तत्परता से काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में श्रमिकों और उद्योगों दोनों के हितों का समान ध्यान रखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री से चर्चा करने वाले उद्योगपतियों में टेक्सटाइल सेक्टर से नाहर ग्रुप के सीएमडी श्री दिनेश ओसवाल, एसईएल ग्रुप के सीएफओ श्री नवनीत गुप्ता और बॉन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि श्री मंजीत सिंह शामिल रहे। स्टील क्षेत्र से टीके स्टील समूह के एमडी श्री लोकेश जैन ने प्रदेश में संभावित निवेश अवसरों पर चर्चा की। फार्मास्यूटिकल्स, एथेनॉल एवं रसायन क्षेत्र से आईओएल केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स के एमडी श्री वरिन्दर गुप्ता और एमआरएम मेध्या ग्रीनटेक के डायरेक्टर श्री पुनीत अग्रवाल ने निवेश प्रस्ताव रखे। खाद्य प्रसंस्करण और चाय उद्योग से जुड़े भगवती लैक्टो वेजिटेरियन एक्सपोर्ट्स के एमडी श्री सुशील मित्तल और केजी एक्सपोर्ट टीम के सदस्य श्री हरीश दुआ ने मध्यप्रदेश के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, कृषि उत्पाद उपलब्धता और फूड पार्क्स पर चर्चा की। इंजीनियरिंग सेक्टर से हीरो साइकिल के एमडी श्री एस.के. राय और हाईलैंड एथेनॉल के एमडी श्री अमित कुमार मोदी ने निवेश के लिए औद्योगिक क्षेत्रों की जानकारी ली।

मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव ने अच्छा काम किया, लेकिन, बढ़ती गरीबी पर और क्या बोले नितिन गडकरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने देश में अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई को लेकर चिंता जाहिर की है।

उन्होंने शनिवार को नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि देश में गरीबों की तादाद बढ़ रही है और दौलत कुछ अमीरों के हाथों में सिमटती जा रही है। गडकरी ने इस बात पर चिंता जताई और दौलत के बंटवारे की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को इस तरह बढ़ाना होगा, जिससे रोजगार पैदा हो और गांवों का उद्धार हो। गडकरी ने कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, टैक्सेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप जैसे कई मुद्दों पर भी बात की।

दौलत का बंटवारा जरूरी- केंद्रीय मंत्री ने कहा, धीरे-धीरे गरीबों की गिनती बढ़ रही है और दौलत कुछ अमीरों के पास इकट्ठा हो रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने अर्थव्यवस्था को ऐसा रास्ता देने की बात कही, जो रोजगार दे और गांवों को मजबूत करे। उन्होंने यह भी कहा कि दौलत का विकेंद्रीकरण जरूरी है और इस दिशा में कई बदलाव भी हुए हैं। गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्रियों पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह की तारीफ की, जिन्होंने उदार आर्थिक नीतियों को अपनाया।

उन्होंने कहा, पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने उदारीकरण को अपनाया, लेकिन फिर भी उन्होंने धन को केंद्रीकरण होने से नहीं रोका।

ज्योति मल्होत्रा से केरल सरकार का निकला कनेक्शन, सरकारी पैसे से घूमने गई थी मुन्नार और कोच्चि

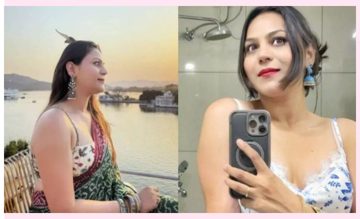

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा की 33 साल की मशहूर व्लॉगर ज्योति मल्होत्रा को हाल ही में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

हैरतअंगेज बात ये है कि ज्योति को कुछ समय पहले केरल सरकार ने अपने टूरिज़्म प्रमोशन के लिए आधिकारिक तौर पर बुलाया था। एक ताजा ऋञ्जद्ध में ये सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि ज्योति की केरल यात्रा का पूरा खर्चा राज्य सरकार ने उठाया था।

RTI के मुताबिक, ज्योति ने केरल टूरिज़्म डिपार्टमेंट के एक खास कैंपेन का हिस्सा बनकर राज्य का दौरा किया था। इस कैंपेन का मकसद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की मदद से केरल को डिजिटल दुनिया में एक शानदार टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर पेश करना था। ज्योति की यात्रा, ठहरने और इटिनरेरी का सारा खर्च सरकार ने वहन किया।

ज्योति ने 2024 से 2025 के बीच कन्नूर, कोझिकोड, कोच्चि, अलप्पुझा और मुन्नार जैसे खूबसूरत इलाकों की सैर की थी। ये सब कुछ केरल सरकार के इन्फ्लुएंसर प्रोग्राम के तहत हुआ, जिसमें ज्योति के साथ कई और डिजिटल क्रिएटर्स भी शामिल थे।

नागपुर में सोनम रघुवंशी जैसा कांड; पति हुआ अपाहिज तो आसिफ से इश्क लड़ा बैठी दिशा, फिर सुला दी मौत की नींद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागपुर के तरुड़ी खुर्द इलाके में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। एक 30 साल की महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की जान ले ली। पुलिस ने बताया कि यह खौफनाक कत्ल शुक्रवार को अंजाम दिया गया। मृतक चंद्रसेन रामटेके (38) पिछले एक साल से बिस्तर पर थे और चल-फिर नहीं सकते थे। वह पैरालिसिस से पीड़ित थे।

चंद्रसेन की बीमारी के दौरान उनकी पत्नी दिशा का एक 28 साल के शख्स असिफ उर्फ राजाबाबू टायरवाला के साथ इश्क परवान चढ़ा। जब चंद्रसेन को इस रिश्ते का पता चला तो घर में तनाव बढ़ गया। इस बेवफाई ने आखिरकार एक खतरनाक साजिश को जन्म दिया।

लव, अफेयर और खौफनाक कत्ल- पुलिस के मुताबिक, दिशा ने अपने प्रेमी असिफ के साथ मिलकर चंद्रसेन को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। प्लान के मुताबिक, चंद्रसेन का मारने के लिए शुक्रवार को दिन चुना गया।

आरोप है कि जब दिशा अपने प्रेमी के साथ अपने पति को मौत के घाट उतारने गई तो उसने चंद्रसेना का हाथ पकड़ा था और उसके प्रेमी आसिफ ने ताकिए से दम घोंट दिया। कत्ल के बाद दिशा ने दावा किया कि चंद्रसेन की मौत बीमारी की वजह से हुई, मगर पोस्टमॉर्टम में उसके दावे झूठे साबित हुए।

जब पुलिस ने दिशा से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। वाथोडा पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि दिशा और असिफ को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हर मंदिर में हो गोशाला, केरल के राज्यपाल का सुझाव, कहा- सनातन धर्म की शिक्षा के लिए मंदिरों में हो पाठशाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने दक्षिणी राज्य के प्रत्येक मंदिर में गोशाला, सनातन धर्म सिखाने और पढ़ाने के लिए पाठशालाएं और अस्पताल स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

उन्होंने सुझाव दिया कि देवस्थानम बोर्ड इस कार्य को लागू कर सकता है। अर्लेकर ने शनिवार शाम यहां तालिपरंबा के श्री राजराजेश्वरा मंदिर में भगवान शिव की एक कांस्य प्रतिमा का अनावरण करने के बाद कहा कि सभी मंदिरों में चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

राज्यपाल का सुझाव- उन्होंने कहा, हमारे सभी मंदिरों में एक गोशाला होनी चाहिए, जहां सभी सड़क पर घूमने वाले मवेशियों को लाया जाए। यह हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। गोशाला के लिए दान देने के लिए कई लोग तैयार होंगे।

उन्होंने कहा, हमें एक शैक्षणिक संस्थान भी स्थापित करना होगा। यह अनिवार्य है। अन्यथा, हमारे सनातन धर्म की शिक्षाएं और उपदेश अगली पीढ़ी को कौन देगा? राज्यपाल ने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। इसलिए, हमें अस्पताल की सुविधा भी प्रदान करनी चाहिए। मरीज की सेवा अनिवार्य है। ये तीनों चीजें देवस्थानम बोर्ड द्वारा स्थापित की जा सकती हैं।

राज्यपाल ने क्या मांग की- अर्लेकर ने कहा कि लोग जब हम उनसे मांगते हैं तो किसी भी चीज के लिए दान देने के लिए तैयार होते हैं। हमें उनके पास जाना होगा। यही आज की आवश्यकता है।

तेलंगाना ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 42, घटनास्थल से अभी भी मिल रहे शरीर के अंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सिगाची इंडस्ट्रीज के फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है। पुलिस के मुताबिक, 30 जून को हुए विस्फोट में झुलसे एक व्यक्ति ने आज अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं दूसरे दूसरे व्यक्ति की मौत की पुष्टि डीएनए प्रोफाइलिंग के जरिए हुई। प्लांट में हुए विस्फोट के बाद आठ लोग अभी लापता हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, फोरेंसिक साइंस लैब में नमूने हैं। कल भी हड्डियां बरामद की गई थीं और आज शरीर के अन्य अंग मिले हैं।

ग्लोबल साउथ अक्सर दोहरे मानदंडों का शिकार हुआ है- PM मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि ग्लोबल साउथ अक्सर दोहरे मानदंडों का शिकार हुआ है और विश्व अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान देने वाले राष्ट्रों को निर्णय लेने वाले मंच पर जगह नहीं मिल पाती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद(यूएनएससी) सहित प्रमुख वैश्विक संस्थाओं में तत्काल सुधार पर भी जोर दिया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि 20वीं सदी में गठित वैश्विक संस्थाओं में विश्व की आबादी के दो-तिहाई हिस्से को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के बिना ये संस्थाएं ऐसे मोबाइल फोन की तरह लगती हैं, जिनके अंदर सिम कार्ड तो लगा हुआ है लेकिन नेटवर्क नहीं है। वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की शुरुआत समूह के सदस्य देशों के नेताओं द्वारा एक सामूहिक तस्वीर खिंचवाने के साथ हुई, जिसके बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने अपना संबोधन दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ग्लोबल साउथ अक्सर दोहरे मानदंडों का शिकार हुआ है। चाहे वह विकास का मुद्दा हो, संसाधनों के वितरण या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का मामला हो।

पहले पूर्ण सत्र में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इस बात पर अफसोस जताया कि जलवायु वित्त, सतत विकास और प्रौद्योगिकी तक पहुंच जैसे मुद्दों पर ग्लोबल साउथ को अक्सर आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला है। उन्होंने कहा, आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का बड़ा योगदान है, उन्हें निर्णय लेने वाले मंच पर जगह नहीं दी गई है।

उन्होंने कहा, यह केवल प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं है, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है। मोदी ने कहा कि आज दुनिया को एक नई बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है और इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में व्यापक सुधारों से होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सुधार केवल प्रतीकात्मक नहीं होने चाहिए, बल्कि उनका वास्तविक प्रभाव भी दिखना चाहिए। शासन व्यवस्था, मताधिकार और नेतृत्व के पदों में बदलाव होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने तर्क दिया कि नीति-निर्माण में ग्लोबल साउथ के देशों की चुनौतियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का विस्तार इस बात का प्रमाण है कि यह एक ऐसा संगठन है जो समय के अनुसार खुद को बदलने की क्षमता रखता है।

हमारे वालिद को वो ऐसे कैसे भारत को सौंप सकते हैं, बिलावल भुट्टो के बयान के बाद हाफिज सईद का बेटा बौखलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो ने कहा था कि पाकिस्तान आतंकवादी सरगनाओं जैसे मसूद अजहर और हाफिज सईद को गिरफ्तार कर भारत को सौंपने के लिए खुशी-खुशी तैयार है। लेकिन ये बयान कुछ लोगों को रास नहीं आया।

हाफिज सईद के बेटे हाफिज तल्हा सईद ने इस बयान को लेकर बिलावल पर जमकर निशाना साधा और उनपर सच्चा मुसलमान न होने का तंज कसा।

तल्हा ने बिलावल से माफी की मांग की और उनके बयान को पाकिस्तान के खिलाफ बताया। तल्हा ने एक वीडियो में गुस्से में कहा, बिलावल कैसे मेरे वालिद को इस तरह ऑफर (भारत को) कैसे कर सकते हैं? उसने पाकिस्तान की मीडिया से गुजारिश की कि वो बिलावल के बयान पर सख्ती से बहस करें। तल्हा ने बिलावल की सियासी हैसियत पर भी सवाल उठाए और कहा कि उनकी पार्टी और खानदान हमेशा पश्चिमी और भारतीय हितों के लिए काम करता रहा है।

बिलावल की नीयत पर उठाए सवाल- तल्हा ने अपने वीडियो में बिलावल की नीयत पर शक जाहिर किया और कहा कि वो पाकिस्तान की सियासत और विदेश नीति को संभालने के काबिल नहीं है। उसने बिलावल की पार्टी पाकिस्तान पीपल्स पार्टी पर आरोप लगाया कि ये हमेशा मुल्क की सलामती को नुकसान पहुंचाने वाली जानकारी दुश्मनों को देती रही है। तल्हा ने बिलावल के बयान को पाकिस्तान के खिलाफ खतरनाक बताया है।

बिलावल भुट्टो ने अपने बयान में क्या कहा था- बिलावल ने पिछले हफ्ते अल जजीरा से बातचीत में कहा था कि पाकिस्तान को मसूद अजहर का ठिकाना नहीं पता। वहीं हाफिज सईद के बारे में बिलावल ने कहा कि वो पाकिस्तानी हिरासत में है और पाकिस्तान आतंकी हाफिज सईद को सौंपने के लिए तैयार है।

पीएम मोदी ने दलाई लामा को दी बधाई तो चीन को लग गई मिर्ची, बोला- भारत को समझना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन को एक बार फिर से मिर्ची लग गई है। चीन ने सोमवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर बधाई देने और समारोह में भारतीय अधिकारियों की उपस्थिति को लेकर भारत के समक्ष विरोध दर्ज कराता है।

उसने इस बात पर भी जोर दिया कि नई दिल्ली को तिब्बत से संबंधित मुद्दों पर बीजिंग की संवेदनशीलता को पूरी तरह समझना चाहिए।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि तिब्बत से संबंधित मामलों पर चीन की स्थिति सुसंगत और स्पष्ट है और सभी के सामने है।

माओ प्रधानमंत्री मोदी की ओर से दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर बधाई देने और उनके जन्मदिन समारोह में वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों की उपस्थिति के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे।

दलाई लामा एक राजनीतिक निर्वासित हैं- चीन- माओ ने आरोप लगाया कि 14वें दलाई लामा एक राजनीतिक निर्वासित हैं। वह लंबे समय से अलगाववादी गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और धर्म की आड़ में शिजांग को चीन से अलग करने का प्रयास करते रहे हैं। गौरतलब है चीन तिब्बत को शिजांग कहता है। उन्होंने कहा, भारत को शिजांग से जुड़े मुद्दों की संवेदनशीलता को पूरी तरह समझना चाहिए और 14वें दलाई लामा की अलगाववाद विरोधी प्रकृति को पहचानना चाहिए और शिजांग से जुड़े मुद्दों पर चीन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करना चाहिए।

सीजफायर पर डेडलॉक! कतर में क्यों फेल हुई इजरायल और हमास की वार्ता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच सीजफायर को लेकर समझौता नहीं बन पाया। दोनों देशों के बीच पहले दौर की वार्ता पूरी तरह से विफल रही। खबरों की मानें तो वार्ता में इजरायल का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों को खुद फैसला लेने का अधिकार नहीं दिया गया था, जिसके कारण यह वार्ता बेनतीजा ही रही।

कतर की राजधानी दोहा में इजरायल और हमास का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा था। दोनों देशों के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता का पहला दौर आयोजित किया गया था।

इजरायली प्रतिनिधिमंडल को मिले आदेश- समाचार एजेंसियों की मानें तो इजरायली प्रतिनिधिमंडल के पास निर्णय लेने के पर्याप्त अधिकार नहीं थे। उन्हें इजरायल की तरफ से लागू की गई कुछ शर्तों का पालन करना था। इजलायली वार्ताकारों को स्पष्ट रूप से कहा गया था कि शर्तों के तहत की समझौता करना होगा।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसकी जानकारी देते हुए कहा- सीजफायर के लिए दोहा जाने वाले इजरायली प्रतिनिधिमंडल को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि इजरायल के द्वारा स्वीकार की गई शर्तों के हिसाब से ही समझौता होगा।

रूस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, पुतिन ने परिवहन मंत्री से छीना पद; जानें अब किसे मिल सकता है मौका?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवेइट से उनका पद छीन लिया है। रूसी राष्ट्रपति के आदेश के बाद रोमन स्टारोवेइट को निष्कासित कर दिया गया है।

हालांकि, पुतिन के इस फैसले के पीछे क्या वजह है? इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है।

पिछले साल बने थे मंत्री- रूसी सरकार ने 14 मई 2024 को रोमन स्टारोवेइट को परिवहन मंत्री बनाया था। इससे पहले स्टारोवेइट को 5 साल तक रूस के पश्चिमी हिस्से में मौजूद कुर्स्क का राज्यपाल नियुक्त किया गया था।

5 साल से थे राज्यपाल- पिछले साल मई में स्टारोवेइट राज्यपाल के पद से हटाकर परिवहन मंत्री बना दिया गया। हालांकि, इसी के बाद यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया था। रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना ने भारी तबाही मचाई थी।

कौन बन सकता है अगला परिवहन मंत्री- रूस के डेली न्यूजपेपर वेदोमोस्ती के अनुसार, स्टारोवेइट की जगह अब उपमंत्री आंद्रेई निकितिन को परिवहन मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

BRICS की पॉलिसी मानने वाले देशों पर आगबबूला हुए ट्रंप, बोले- अब लगाऊंगा 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने अपने व्यापारिक साझेदार देशों को साफ चेतावनी दी है कि अगर वे 9 जुलाई तक व्यापार समझौता नहीं करते हैं, तो 1 अगस्त से उन पर भारी टैरिफ लगा दिए जाएंगे।

ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि यह फैसला पहले से तय था और अब इसे लागू किया जाएगा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल में टैरिफ की घोषणा की थी, लेकिन बातचीत के लिए उसे कुछ समय के लिए टाल दिया गया था।

1 अगस्त से लागू होंगे टैरिफ- अप्रैल में ट्रंप ने लगभग सभी देशों पर 10त्न टैरिफ लगाने की बात कही थी।

उन्होंने इसे स्थगित कर 9 जुलाई तक का समय दिया था ताकि देश आपसी समझौते कर सकें।

अब ट्रंप प्रशासन कह रहा है कि 1 अगस्त से शुल्क बूमरैंग की तरह वापस आ जाएंगे।

स्कॉट बेसेन्ट ने CNN से कहा, अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो टैरिफ लागू होंगे। यह कोई धमकी नहीं, बल्कि नीति का हिस्सा है।

कुछ देशों के साथ हुआ समझौता- अमेरिका ने अब तक ब्रिटेन और वियतनाम के साथ व्यापार समझौते किए हैं। चीन के साथ अस्थायी रूप से टैरिफ में कमी करने का फैसला हुआ है। फ्रांस और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत जारी है, उम्मीद है समझौता जल्द होगा।

दर्जनभर देशों को भेजे जा रहे हैं पत्र- 12 देशों को पत्र भेजे जा रहे हैं ताकि वे अंतिम निर्णय लें।

हम पर जो हथियार उठाएगा, उसका हाथ काट देंगे, ईरान के बाद अब हूती विद्रोहियों पर इजरायल ने बरपाया कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में तनाव के शोले एक बार फिर भड़क गया है। इजरायल ने सोमवार तड़के यमन के हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाहों और ठिकानों पर हवाई हमले किए।

इसके जवाब में हूतियों ने इजरायल पर मिसाइल दागी है। यह सब तब शुरू हुआ जब रविवार को लाइबेरिया के झंडे वाला एक जहाज लाल सागर में हमले का शिकार हुआ। इसके बाद आग लगने से चालक दल को जहाज छोड़ना पड़ा। इस हमले का शक हूतियों पर है। हूतियों ने इस हमले की जिम्मेदारी तुरंत नहीं ली, लेकिन उनकी मीडिया ने इसका जिक्र किया। यह हमला मध्य पूर्व में उस वक्त हुआ है जब इजरायल-हमास जंग में सीजफायर की बात चल रही है और ईरान अपनी परमाणु वार्ता पर विचार कर रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाशिंगटन जा रहे हैं।

हूती विद्रोहियों के कई ठिकानों को इजरायल ने किया तबाह- इजरायली सेना ने बताया कि उन्होंने हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले होदेइदा, रास इसा और सलीफ बंदरगाहों पर हमले किए। इसके अलावा रास कनातिब पावर प्लांट को भी निशाना बनाया गया। इजरायल का कहना है कि इन बंदरगाहों का इस्तेमाल ईरान से हथियार लाने के लिए होता है।

इजरायली सेना ने गैलेक्सी लीडर नामक जहाज पर भी हमला किया। इस जहाज को हूतियों ने नवंबर 2023 में लाल सागर में कब्जे में लिया था। सेना का दावा है कि हूतियों ने इस जहाज पर रडार सिस्टम लगाया था, जिससे समुद्री जहाजों पर नजर रखी जा रही थी।

टेक्सस बाढ़ पर मेलानिया ट्रंप की पोस्ट से बढ़ा विवाद, सोशल मीडिया पर लोगों का फूटा गुस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेक्सास में आई भीषण बाढ़ ने अब तक कम से कम 67 लोगों की जान ले ली है, जिनमें 21 बच्चे शामिल हैं। कुछ लड़कियों की तलाश अभी भी जारी है, जो एक समर कैंप से लापता हैं। इसी बीच अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने इस त्रासदी पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर संवेदना जताई।

उन्होंने लिखा, टेक्सास के माता-पिता के लिए मेरा दिल दुखी है। मैं आपको अपनी दुआओं में शामिल कर रही हूं और आपको शक्ति, सुकून और सहनशक्ति की कामना करती हूं।

हालांकि, मेलानिया का यह संदेश लोगों को अच्छा नहीं लगा और सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना होने लगी। कई लोगों ने इसे औपचारिक और दिखावटी प्रतिक्रिया बताया।

प्रशासन की नीतियों पर उठे सवाल- लोगों ने सिर्फ मेलानिया ही नहीं, बल्कि ट्रंप प्रशासन को भी इस आपदा के लिए जिम्मेदार ठहराया। कई यूजर्स ने याद दिलाया कि ट्रंप सरकार ने आपदा प्रबंधन और मौसम पूर्वानुमान बजट में कटौती की थी, जिससे राहत कार्यों पर असर पड़ा।

टेक्सास के डेमोक्रेटिक सांसद जोआक्विन कास्त्रो ने CNN को बताया कि नेशनल वेदर सर्विस में स्टाफ की कमी जैसी चीजें बाढ़ जैसे हालात में जानलेवा साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा, अगर मौसम विश्लेषण और पूर्वानुमान देने के लिए पर्याप्त लोग नहीं हैं, तो इससे बड़ी त्रासदियां हो सकती हैं।

तहव्वुर राणा के कबूलनामे ने मचाई सनसनी, पाकिस्तानी सेना की खुल गई पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26/11 मुंबई हमलों का मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा ने 2008 में हुए आतंकी हमले को लेकर कई बड़े राज खोले हैं। राणा फिलहाल राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में है और मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने पूछताछ की है। इस पूछताछ में उसने कई खुलासे किए हैं। राणा ने बताया कि उसने हमलों के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस जैसे मेन टारगेट को पहचानने में मदद की थी।

राणा ने बताया कि उसने 1986 में पाकिस्तान के रावलपिंडी में आर्मी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कोर्स पूरा किया और क्वेटा में पाकिस्तानी सेना में कैप्टन डॉक्टर के तौर पर नियुक्ति हुई। उसे सिंध, बलूचिस्तान, बहावलपुर और सियाचिन-बलोतरा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया गया था। सियाचिन में रहने के दौरान राणा को पल्मोनरी एडिमा नाम की बीमारी हो गई, जिसकी वजह से वो काम पर नहीं पहुंच पाता था और बाद में उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया।

कैसे बना आतंकी साजिश का हिस्सा- राणा ने पहले कहा था कि वह आतंकी साजिश का हिस्सा बनने के लिए इसलिए तैयार हो गया था क्योंकि हेडली ने उसे आश्वासन दिया था कि वह राणा के रिकॉर्ड साफ करने में मदद करेगा। तहव्वुर हुसैन ने कहा कि आतंकवादियों का समर्थन करने वाली पाकिस्तानी सेना उस पर भरोसा करने लगी थी और खाड़ी युद्ध के दौरान उसे सऊदी अरब में एक सीक्रेट मिशन पर भी भेजा। कनाडा में रहने से पहले वह जर्मनी, ब्रिटेन और अमेरिका में भी रह चुका था और वहां मीट प्रोसेसिंग, रियल एस्टेट और किराने का बिजनेस किया था।

7 साल पहले हुआ था हादसा, अब शख्स को मिलेगा 13 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में रहने वाला एक 29 वर्षीय युवक 2018 में बड़े हादसे का शिकार हुआ। इस हादसे में उसे कई गंभीर चोटें लगीं। वहीं घटना के 7 साल बाद ट्रायब्युनल ने उसे 13.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रायब्युनल ने अपने फैसले में कहा कि यह हादसा तेज रफ्तार गाड़ी की वजह से हुआ था। आर.वी.मोहित की अध्यक्षता में MACT ने 2 जुलाई 2025 को आदेश जारी किया था, जिसकी कॉपी आज यानी सोमवार को जारी की जाएगी।

कैसे हुआ था हादसा- यह हादसा 15 जनवरी 2018 को महाराष्ट्र के ठाणे में हुआ था। पीड़ित पप्पू बालू घगास अपनी कार में मुरबाड से पड्घा की ओर जा रहा था, तभी एक तेज रफ्तार गाड़ी ने सड़क की गलत साइड पर चलते हुए पप्पू की कार को टक्कर मार दी।

सिर में लगी थी गंभीर चोटें- यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि पप्पू कार समेत नजदीकि नाले में जा गिरा। इस दौरान पप्पू को कई गंभीर चोटें आईं। पप्पू के शरीर पर कई फ्रैक्चर हुए और उनके सिर में भी गंभीर चोटें आईं, जिससे वो सदमें में चले गए।

मोहर्रम पर निकले जुलूस के दौरान मंदिर की छत पर चढ़कर नाचने लगे युवक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहर्रम पर निकले जुलूस के दौरान कुछ नाच रहे युवक पास के मंदिर की छत पर चढ़ गए। युवक वहीं पर नाच रहे थे। किसी ने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

वीडियो प्रसारित होते ही तारबाहर पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने तीनों युवकों की पहचान कर ली है। युवकों को हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस ने नाम बताने से किया इनकार- फिलहाल पुलिस तीनों युवकों के नाम बताने से इनकार कर रही है। मोहर्रम पर रविवार को तारबाहर क्षेत्र में कुछ लोग नाच रहे थे। वहां पर नाच रहे युवकों में से तीन युवक पास के एक मंदिर की छत पर चढ़कर नाचने लगे। इधर किसी ने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

वीडियो प्रसारित होते ही तारबाहर पुलिस की टीम सक्रिय हो गई। पुलिस की टीम ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके बाद मोहल्ले के तीन युवकों को हिरासत में ले लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। हिंदू संगठनों ने जताया आक्रोश

हिंदू संगठन से जुड़े लोगों ने आपत्ति दर्ज कराते हुए आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इधर पुलिस की टीम ने तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

मैं विधानसभा चुनाव, पटना में गरजे बागेश्वर बाबा, गजवा-ए-हिंद के नारे के साथ की पदयात्रा की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में स्थित ऐतिहासिक गांधी मैदान इन दिनों सूबे की सियासत का गढ़ बन चुका है। ताबड़तोड़ रैलियों के बाद अब गांधी मैदान में सनातन महाकुंभ लगा है, जिसके मंच पर खड़े होकर बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने फिर एक बार हिंदू धर्म को बचाने की हुंकार भरी है।

भगवा-ए-हिंद मेरा सपना- धीरेंद्र शास्त्री- बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने गांधी मैदान में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, हमारा एक ही सपना है कि भगवा-ए-हिंद होना चाहिए।

हम किसी धर्म के विरोधी नहीं- पंडित धीरेंद्र शास्त्री के अनुसार, हम किसी धर्म के विरोधी नहीं हैं। न हमें मुसलमानों से दिक्कत है और न हमें ईसाईयों से दिक्कत है। हमें तो उन हिंदुओं से दिक्कत है, जो जातियों के नाम पर हिंदुओं को बांटते हैं।

बिहार चुनाव पर क्या बोले बागेश्वर बाबा- बिहार के आगामी चुनावों के मद्देनजर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, हम पटना में राजनीति के चक्कर में नहीं आए, हम कामनीति के चक्कर में आए हैं। हम किसी भी पार्टी के नहीं हैं, जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं हम उस-उस पार्टी के हैं।

बिहार में निकलेगी पदयात्रा- गांधी मैदान के मंच से पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने बिहार में पदयात्रा निकालने की घोषणा की है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, मैं विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद बिहार में हम पदयात्रा करेंगे। ताकि वो यात्रा सिर्फ हिंदुओं के लिए हो, किसी दल विशेष के लिए नहीं।

बिहार वोटर लिस्ट मामले पर होगी सुप्रीम सुनवाई , राजद की याचिका और सिब्बल-सिंघवी की दलील पर SC ने क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची से लाखों नाम हटाए जाने की आशंका को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जताई है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, गोपाल शंकरनारायणन और शादाब फरासत ने सुप्रीम कोर्ट इस मुद्दे पर याचिका दर्ज की है।

इन वकीलों की ओर से दलील दी गई है कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से लाखों लोगों के लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने की आशंका है। इसमें महिलाओं और गरीब पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा।

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी, कपिल सिब्बल और अन्य ने कोर्ट में दलील दी कि अगर कोई वोटर जरूरी दस्तावेजों के साथ फॉर्म नहीं भरता, तो उसका नाम मतदाता सूची से हट सकता है, भले ही वह पिछले बीस साल से वोट डालता रहा हो।

वकीलों ने दी ये दलीलें- सिंघवी ने कहा, 8 करोड़ मतदाता हैं और 4 करोड़ को गणना करनी है। यह नामुमकिन काम है।

सिब्बल ने कहा, यह इतना आसान नहीं। वहीं, वकील संकरनारायणन ने बताया कि आधार कार्ड और वोटर कार्ड जैसे दस्तावेज भी स्वीकार नहीं किए जा रहे।

सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि 25 जुलाई तक दस्तावेज जमा करने की समय सीमा इतनी सख्त है कि अगर कोई चूक गया, तो उसका नाम सूची से बाहर हो जाएगा।

समुद्र में दिखी संदिग्ध नाव और फिर हो गई लापता, रायगढ़ पुलिस की बढ़ी टेंशन; अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में एक संदिग्ध नाव दिखने से हड़कंप मच गया है। सुरक्षाबलों को अलर्ट कर दिया गया है। भारतीय नेवी समेत कोस्ट गार्ड और तमाम जांच एजेंसियां नाव की खोज करने में जुटी हैं।

नाव को आखिरी बार रायगढ़ के रेवदंडा में कोरलाई तट से लगभग 2 नॉटिकल मील की दूरी पर देखा गया था। इसकी जानकारी मिलते ही रायगढ़ पुलिस एक्टिव हो गई है। पुलिस नाव की तलाश कर रही है, लेकिन अभी तक उसका कुछ पता नहीं चल सका है।

नाव पर दिखे विदेशी चिह्न- संदिग्ध नाव दिखने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। रायगढ़ पुलिस के अलावा बम निरोधक दस्ते, नौसेना और तटरक्षक बल को अलर्ट कर दिया गया है। शुरुआती जांच के अनुसार, नाव पर विदेशी चिह्नों के निशान भी देखे गए हैं।

प्रशासन ने जारी किया अलर्ट- रायगढ़ की एसपी आंचल दलाल और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है। हालांकि, कोंकण तट के पास मौसम काफी खराब है। तेज बारिश और तूफान के कारण समुद्र पूरे उफान पर है, ऐसे में नाव को ढूंढ पाना पुलिस के लिए मुश्किल हो गया है। प्रशासन ने इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। वहीं, पूरे जिले की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

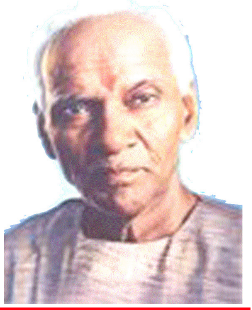

विक्रम संवत 2079 कृष्ण त्रयोदशी

संपादकीय

दुनियां में हर देश ने तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी,विकास से बढ़ते डिजिटाइजेशन...

वैश्विक स्तरपर दुनियां में हर देश ने तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी,विकास से बढ़ते डिजिटाइजेशन ने शारीरिक श्रम को विशाल स्तरपर कम कर मानसिक श्रम को बढ़ा दिया है जिसमें अनेक प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक एप्स और वेबों को ईट का जवाब पत्थर से देने का काम कर दिया है जिसमें माननीय जीव का ध्यान भटक सा गया है और अपने ही उलझन में उलझते हुए गुम सा हो गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि बढ़ते मानवीय विवादों व बढ़ाती अपनीं ख्वाहिशें,लग्जरी जिंदगी झूठी शान को दिखाने के चक्कर में बड़बोलापन शब्दों बयानों वाक्यों के गिरते स्तर तथा परिवार में बढ़ते विवादों की खाई को और चौड़ा करते जा रहे हैं, जहां अब समय आ गया है कि अब आदि-अनादि काल से हमारे बड़े बुजुर्गों के उपरोक्त हानियों में गुणकारी टॉनिक मौन एकाग्रता को अपनाएं जो हमारे जीवन की सफलता का सच्चा सूत्र है। चूंकि मन एकाग्रता से विवेक जागृत होता है,जिसमें निर्णायक क्षमता सर्वोत्तम होती है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, मन एकाग्रता से क्रोध का दामन, आत्मिक बल, निर्मल बुद्धि, समस्याओं का समाधान व मस्तिष्क में एकाग्रता होने को रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम मौन व एकाग्रता के लाभों की करें तो, मौन रहने में बड़ी ताकत है, रह कर देखें तब हमको इसके फायदों के बारे में ज्ञान होगा। मौन रहने के फायदे इस प्रकार है-(1)सकारात्मक सोच के लिए जीवन में मौन रहने की सलाह दी जाती है।(2)मन को शांति मिलती है और शक्ति बढ़ती है।(3)मौन से आंतरिक और मानसिक शक्ति मिलती है।(4)इससे व्यक्ति लंबे समय तक तनाव रहित बना रहता है।(5)मौन रहने से क्रोध मिटता है।(6)मौन की शक्ति बड़े से बड़े अहंकार को धूल में मिला देती है (7) स्मरण शक्ति और सोचने की शक्ति बढ़ती है। (8)नई मानसिक ऊर्जा प्राप्त होती है और बड़े संघर्ष शुन्य हो जाते हैं।

(9)इस उपाय से मन की चंचलता को नष्ट किया जा सकता है।(10)घरेलू लड़ाई-झगड़े बिल्कुल खत्म हो जाते हैं और अपने आप पर काबू पाने की शक्ति बढ़ती है।मौन रहने के क्या लाभ होते हैं ?कहते हैं कि जो समझदार होता है, वह कम बोलता है और कई बार मौन रहकर भी वह संवाद साध लेता है। अनुभव बताता है कि मौन कई बार बहुत बड़ी परेशानियों से बचा सकता है। इसके विपरीत अगर कोई आदत से मजबूर होकर एक के बदले दस जवाब देता है और कहता है कि मैं चुप क्यों रहूं, किसी से दबकर क्यों रहूं? तो वह बहुत बड़ी मुसीबत में फंस सकता है।मौन की अपनी, अनुपम अभिव्यक्ति होती है, जो किसी भाषा की मोहताज नहीं होती।अक्सर लोग वाणी के विराम को ही मौन समझते हैं। लेकिन किसी व्यक्ति के मन में संकल्पों की उथल-पुथल हो रही हो, किसी अन्य व्यक्ति के प्रति उसके मन में द्वेष भावना का ज्वार-भाटा उठ रहा हो, या उसके भीतर कोई और वासना धधक रही हो, तो क्या यह मौन कहा जाएगा? कहते हैं कि पानी-सा रंगहीन नहीं होता मौन, आवाज की तरह इसके भी हजार रंग होते हैं। मन और वाणी, दोनों का शांत होना ही पूर्ण मौन कहा जाता है। मुख के मौन को बाह्य मौन कहा जाता है तथा मन का मौन अंतः मौन। एक कहावत है कि मीठा बोलना जितना सुखकारी है, उतना ही कम बोलना भी लाभकारी है। पर हमें यह समझ भी होनी चाहिए की जहां मौन रहना चाहिए, वहां बोलकर अपने लिए झमेला कभी खड़ा नहीं करना है।

बनारसी दास

बनारसी दास भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्हें बाबू बनारसी दास के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ मात्र 15 वर्ष की आयु में मोर्चा खोल दिया था। स्वतंत्रता संग्राम में उनका अहम योगदान रहा। वर्ष 1979 में बनारसी दास उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। वे 1962 में सिकंदराबाद सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए। फिर खुर्जा से भी विधायक चुने गए। इसके बाद 28 फ़रवरी 1979 से 17 फ़रवरी 1980 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। बाबू बनारसी दास ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिचय ग्रंथों का प्रकाशन कराया था।

परिचय

बाबू बनारसी दास का जन्म उत्तर प्रदेश राज्य के बुलंदशहर ज़िले में 8 जुलाई 1912 में हुआ था। उनकी प्राथमिक शिक्षा गांव के ही प्राइमरी स्कूल में शुरू हुई। छठीं कक्षा में उन्होंने बुलंदशहर के राजकीय विद्यालय में प्रवेश लिया। मात्र 15 वर्ष की उम्र में ही बनारसी दास स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गए थे। 1928 में नौजवान भारत सभा और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता बन गए। 3 नवंबर 1929 को महात्मा गांधी ने बुलंदशहर में दौरा किया तो वहां एकदम माहौल बन गया।

फिर 1930 में जब गांधीजी ने नमक सत्याग्रह किया तो माहौल जज्बे में बदल गया। 1930 का साल बनारसी दास के लिए काफ़ी महत्त्वपूर्ण था। 1 अप्रैल, 1930 को यू.पी. के तत्कालीन गवर्नर सर मैल्कम हेली ने बुलंदशहर की यात्रा की। लोगों ने दबा के विरोध किया। विरोध का पुलिस ने जमकर दमन किया। युवाओं पर जमकर लाठियां बरसीं। बनारसी दास भी उन्हीं युवाओं में से थे। साइकिल पर गांव-गांव घूमते थे। 16 की उम्र में बनारसी दास ने अपने गांव में कन्या पाठशाला लगाई थी, जिसमें वह खुद पढ़ाते थे। उसी वक्त गांधीजी की बातों से प्रभावित होकर उन्होंने छुआछूत मिटाने के लिए सहभोज कर लिया। इसके चलते गांव तो गांव, इनके परिवार ने भी इनका बहिष्कार कर दिया। बनारसी दास ने 1936 में विद्यावती देवी के साथ विवाह किया।

क्रांतिकारी गतिविधियाँ

12 सितंबर 1930 को गुलावठी में एक भयानक कांड हुआ। बाबू बनारसी दास की नेतागिरी में गुलावठी में एक विशाल जनसभा आयोजित हुई। यह शांतिपूर्ण थी, लेकिन पुलिस ने उस पर हमला कर 23 राउंड गोली चला दी। आजादी के 8 दीवाने शहीद हो गए। इसके बाद उग्र किसानों ने पुलिस पर भी हमला कर दिया। इस कांड में पुलिस ने करीब एक हजार लोगों को गिरफ्तार किया और भारी यातनाएं दीं। 45 लोगों पर मुकदमा चला। 2 अक्टूबर, 1930 को बनारसी दास को मथुरा से गिरफ्तार करके बुलंदशहर लाया गया, लेकिन जिला और सेशन जज ने बनारसी दास को 14 जुलाई 1931 को छोड़ दिया। हालांकि गुलावठी कांड के कई कैदी 1937 में यूपी में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद ही छूट पाए थे। पर बनारसी दास इसके बाद रुके नहीं। 1935 में क्रांतिकारी अंजुम लाल के साथ उन्होंने एक स्वदेशी स्कूल स्थापित किया। 1930 से 1942 के दौरान ही बनारसी दास चार बार जेल में गए। मार भी खाई, फिर भारत छोड़ो आंदोलन और व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन में वे 2 अप्रैल, 1941 को गिरफ्तार हुए। पहले तो उनको छह महीने की सजा दी गई, फिर 100 रुपए का जुर्माना किया गया। लेकिन जुर्माना देने से इंकार करने पर तीन माह की और सजा मिली। इसी तरह अगस्त 1942 में भी इनको खतरनाक मानते हुए गिरफ्तार कर नजरबंद कर दिया गया।

बुलंदशहर जेल में बनारसी दास को इतनी यातनाएं दी गईं कि यूपी में हल्ला मच गया। फिर 5 फ़रवरी, 1943 को प्रिजनर्स एक्ट के तहत तत्कालीन अंग्रेज़ कलेक्टर हार्डी ने रात को जेल खुलवा कर बनारसी दास को बैरक से निकाल कर एक जामुन के पेड़ से बांध दिया और कपड़े उतरवा कर तब तक मारा जब तक वे बेहोश नहीं हो गए। जेल में भी बनारसी दास ने पढ़ाई-लिखाई नहीं छोड़ी। बहुत कुछ पढ़ लिया। इसी दौरान वह पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आज़ाद, लालबहादुर शास्त्री, के. कामराज, सरोजिनी नायडू, गोविंद बल्लभ पंत और ख़ान अब्दुल गफ़्फ़ार ख़ान समेत तमाम चोटी के नेताओं के संपर्क में आ चुके थे।

इन सारी बातों ने उनको बेहद ख़ास बना दिया था। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 1946 के विधानसभा चुनाव में बनारसी दास बुलंदशहर से निर्विरोध चुने गए। इसी साल वे बुलंदशहर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष भी बन गए। फिर एक ऐसा काम किया, जिसने इनकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। 1947 में बुलंदशहर में जब 20,000 से अधिक पाकिस्तानी विस्थापित पहुंचे तो जिले भर में अजीब अफरा-तफरी का आलम था। ये कहां रहेंगे, कैसे रहेंगे, इनको कौन संभालेगा, ये सारी बातें सबके जेहन में तैर रही थीं, लेकिन बनारसी दास ने जिले के व्यापारियों को तैयार कर सारा इंतजाम करवा दिया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

फिर वह वक्त भी आया, जब बनारसी दास को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया। रामनरेश यादव के जाने के बाद ये 28 फ़रवरी, 1979 से 17 फ़रवरी, 1980 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। वे प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री थे, जिन्होंने कालिदास मार्ग की मुख्यमंत्री की सरकारी कोठी के बजाय कैंट के अपने मकान में ही रहना पसंद किया। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने लंबा तामझाम नहीं रखा।

बनारसी दास ने खादी और ग्रामोद्योग के विकास के लिए भी बहुत-सी योजनाएं चलाईं। वे कई सालों तक उत्तर प्रदेश हरिजन सेवक संघ के अध्यक्ष भी रहे। वे 1977 से खादी ग्रामोद्योग चिकन संस्थान के संस्थापक और अध्यक्ष रहे और जनसेवा ट्रस्ट बुलंदशहर के संस्थापक अध्यक्ष भी।

अनूठा रिकॉर्ड

राज्यसभा में एक सभापति होता है और एक उप-सभापति। सभापति उप-राष्ट्रपति होता है। ये ही सदस्यों को शपथ दिलाते हैं। लेकिन एक प्रोटेम चेयरमैन भी होता है। दोनों के न रहने पर वही सदस्यों को शपथ दिलाता है, किन्तु भारत के इतिहास में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है कि प्रोटेम चेयरमैन ने सदस्यों को शपथ दिलाई थी। ये चेयरमैन थे- बाबू बनारसी दास। ये मौका आया था 1977 में। उप-राष्ट्रपति बी. डी. जत्ती को कार्यकारी राष्ट्रपति का पद संभालना पड़ा और उप-सभापति गोदे मुराहरी लोकसभा के सांसद चुन लिए गये थे। जब 20 मार्च 1977 को ये पद भी खाली हो गया तो राष्ट्रपति के आदेश पर 20 मार्च से 30 मार्च 1977 तक बाबू बनारसी दास को राज्यसभा का चेयरमैन बनाया गया और यह इतिहास बन गया।

महत्त्वपूर्ण निर्णय

बाबू बनारसी दास 28 फ़रवरी 1979 से 17 फ़रवरी 1980 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने अपने सीमित मुख्यमंत्री काल में भी तमाम परंपराएं कायम कीं। बाबूजी प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री थे, जिन्होंने कालिदास मार्ग की मुख्यमंत्री की सरकारी कोठी हासिल करने के बजाय कैंट के अपने मकान में ही रहना पसंद किया। इसी तरह मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने न लंबा तामझाम रखा न सुरक्षा। हमेशा उनका प्रयास रहा कि आम आदमी उनसे आसानी से मिल सके। उन्होंने पहली बार मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष को पारदर्शी बनाने के लिए उसके ऑडिट करने का आदेश दिया था।

बनारसी दास जी ने दलितोद्धार आंदोलन में भी अहम भूमिका निभायी थी और तमाम कठिन मौकों पर समाज के सबसे दबे-कुचले तबकों के साथ वे खड़े हुए। उनके चलते कई जगहों पर दलित-वंचित तबकों को सार्वजनिक कुओं से पानी लेने और मंदिरों तथा धर्मशालाओं में प्रवेश का मौका मिला। इसी दौरान सहभोज का आयोजन करने के साथ, उनकी बस्तियों में सफाई अभियान चला तथा अनेठ पाठशालाऐं उनके बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए खोली गयीं।

चीन में इस जगह बसी है सीक्रेट एप्पल सिटी, जहां 2 लाख मजदूर दिन रात करते हैं iPhone बनाने का काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आपके हाथों में iPhone है तो उसके पीछे फॉक्सकॉन का हाथ है। यह आईफोन असेंबली का बड़ा ठिकाना है। यह दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी कहा जाता है। यह हाल ही तब चर्चा में आया जब इसने भारत में मौजूद iPhone असेंबली से अचानक 300 से ज्यादा चीनी इंजीनियरों को चीन वापस बुला लिया है। जिसने टेक इंडस्ट्री में खलबली मचा दी।

दरअसल ये 300 इंजीनियर सिर्फ भारत में सिर्फ काम नहीं करते थे बल्कि भारत में मौजूद असेंबली मजदूरों को स्किल भी करते थे। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं आखिर फॉक्सकॉन में ऐसा क्या जिसके दम पर चीन इतना इतरा रहा है। साथ ही इतनी बड़ी कंपनी एप्पल भी अपने प्रोडक्ट बनाने के लिए इस पर क्यों निर्भर है। हम आपको फॉक्सकॉन के बारे में भी बताएंगे जिसके 10 लाख से ज्यादा मजदूर iPhone मैन्युफैक्चरिंग का काम दिन-रात करते हैं।

चीन में कहां है सीक्रेट एप्पल सिटी- फॉक्सकॉन के 2020 के डेटा के मुताबिक उसके साथ दुनियाभर में 9,69,696 कर्मचारी काम करते हैं। अकेले झेंगझौ में जिसे फॉक्सकॉन की आईफोन सिटी के नाम से जाना जाता है, वहां 2 लाख से ज्यादा लोग काम करते हैं। इसे सीक्रेट एप्पल सिटी इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां एप्पल जो भी इससे प्रोडक्ट बनाता है वह बड़े सीक्रेट तरीके से तैयार होती है। इसकी जानकारी कभी बाहर लीक नहीं हो पाती है।

यही वजह है कि एप्पल अपने आईफोन के लिए फॉक्सकॉन पर इतना ज्यादा निर्भर। हर नया iPhone, इसकी ही फैक्ट्री में ही बनता है। हालांकि पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन भी कुछ iPhone मॉडल्स बनाते हैं।

फॉक्सकॉन एप्पल के प्रोडक्ट कब से बना रही- फॉक्सकॉन की स्थापना 1974 में ताइवान में टेरी गाउ ने की थी। ये कंपनी शुरुआती दौर में टीवी के प्लास्टिक पार्ट्स बनाती थी। 1980-90 के दशक में कंपनी ने कंप्यूटर पार्ट्स और इलेक्ट्रॉनिक्स असेंबली में कदम रखा था। कंपनी के लिए गेमचेंजर वाली बात तब हुई जब फॉक्सकॉन को अमेरिका की एप्पल कंपनी से ऑर्डर मिला। एप्पल और फॉक्सकॉन की साझेदारी 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू हुई, जो अब तक जारी है।

किन स्थितियों में आप पर लग सकता है टैक्स चोरी का इल्जाम, कितना चुकाना पड़ सकता है जुर्माना?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैसे तो टैक्स सेविंग को लेकर सरकार की ओर से कई कायदे-कानून बनाए गए हैं। कई सेक्शन के तहत आपको इनकम टैक्स पर छूट मिल जाती है। लेकिन कई लोग टैक्स बचाने के लिए गलत तरीके का इस्तेमाल करते हैं।

कैसे करते हैं टैक्स चोरी- इनकम टैक्स विभाग से अपनी पूरी आय छिपाना या इनकम के सारे सोर्स न बताना।

वहीं गलत तरीके या जानबूझकर टैक्स छूट का दावा करना।

टैक्स चोरी को लेकर नियम- इनकम टैक्स विभाग की ओर से टैक्स चोरी से संबंधित या इसे रोकने के लिए अलग-अलग नियम बनाए हैं। आइए इनके बारे में एक-एक करके बात करते हैं।

सेक्शन 270A- इस सेक्शन के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति या टैक्सपेयर्स अपनी पूरी आय नहीं दिखाता या कम आय दर्शाता है, तो उसे अपनी इनकम पर लगने वाले टैक्स का 50 फीसदी अधिक कर (टैक्स) देना होगा। अगर कोई टैक्स छूट की लालच में झूठे दावे करता है। जैसे फिर्जी बिल लगाना इत्यादि तो उसे अपनी इनकम पर लगने वाले टैक्स का 200 फीसदी अधिक जुर्माना देना होगा।

सेक्शन 271(1)(C)- ये नियम पुराने टैक्स (वित्त 2016-17) से पहले के लिए बनाया गया था।

रॉकेट बना 8 रु. का शेयर, 2200+ पर कर रहा ट्रेड, दे चुका 25,000% का रिटर्न; तुरंत खरीदने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट में इस कंपनी के स्टॉक ने तहलका मचा रखा है। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इसके शेयर 2,237 से 2,270 रुपए के बीच ट्रेड कर रहे थे। सोमवार को खबर लिखे जाने तक इसमें 1.66त्र की तेजी देखी गई। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने निवेशकों को इस शेयर पर नजर रखने की सलाह दी है। फर्म का दावा है कि यह शेयर इस महीने तगड़ा रिटर्न दे सकता है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज़ लिमिटेड ने जागरण बिजनेस के लिए टॉप-5 स्टॉक की एक्सक्लूसिव मोमेंटम वॉचलिस्ट जारी की, जिसमें यह स्टॉक भी शामिल है।

कभी 8.89 रुपए का था शेयर- साल 2002 में कपनी का शेयर 8.89 रुपए का था, जो अब तक 25,000त्र से ज्यादा का रिटर्न दे चुका है। यह पिछले एक साल में 40त्र की ग्रोथ के साथ 638 रुपए का मुनाफा दिला चुका है। साथ ही, पांच साल में 201% की छप्पर फाड़ कमाई करा चुका है। इसका 52 वीक का हाई लेवल 2,548 रुपए है और लो लेवल 1,499.70 रुपए है। एक्सपर्ट्स की सलाह कि अभी यह शेयर और बढ़ेगा और अगले एक महीने में निवेशकों को तगड़ा मुनाफा दिला सकता है।

क्या काम करती है कंपनी- कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड एक भारतीय कंपनी है, जो खेती और किसानों के लिए जरूरी चीजें बनाती है। यह मुख्य रूप से डीएपी, यूरिया, सिंगल सुपरफॉस्फेट जैसी खाद खाद, कीटनाशक दवाएं और विशेष पोषक तत्व जैसे उत्पाद बनाती है। कंपनी मुरुगप्पा ग्रुप का हिस्सा है और भारत के अलावा अमेरिका, कनाडा, यूरोप में अपने प्रोडक्ट सप्लाई करती है। इसके अलावा, यह ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानें चलाती है, जहां मिट्टी की जांच, फसलों की देखभाल और खेती के उपकरण जैसी सेवाएं दी जाती हैं।

10 से 1150 के पार पहुंची कीमत, स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर एक साथ दे रही कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एल्गोक्वेंट फिनटेक लिमिटेड ने अपने निवेशकों को बड़ा तोहफा दिया है। 3 जुलाई को हुई बोर्ड बैठक में कंपनी ने निवेशकों को एक शेयर पर 8 बोनस शेयर देने का फैसला किया और साथ ही साथ स्टॉक स्प्लिट किए जाने की भी घोषणा की है। हालांकि, अभी यह इन दोनों फैसलों पर शेयरहोल्डर्स की मंजूरी मिलना बाकी है। इस शेयर का प्रदर्शन दमदार रहा है। बीते 5 सालों की बात करें तो इसने 10927 फीसदी का रिटर्न दिया है। अगर आपके पास Algoquant Fintech Ltd का शेयर है तो इसका फायदा आपको भी मिलने वाला है। अभी कंपनी ने इसके रिकॉर्ड डेट की घोषणा नहीं की है।

स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर एक साथ- कंपनी एक साथ स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर का तोहफा एक साथ देने जा रही है। एक स्टॉक दो हिस्सों में स्प्लिट होगा। और एक शेयर पर 8 शेयर का बोनस शेयर दिया जाएगा। यानी एक शेयर 18 शेयर बन जाएगा। अगर आपके पास इस कंपनी के 100 शेयर हैं तो वह 1800 हो जाएंगे। यानी एक झटके में 18 गुना का मुनाफा।

असली मल्टीबैगर साबित हुआ Algoquant Fintech Ltd का शेयर- एल्गोक्वेंट फिनटेक लिमिटेड के शेयर असल में मल्टीबैगर स्टॉक साबित हुए हैं। 16 जुलाई 2020 को कंपनी के एक शेयर की वैल्यू 10.64 रुपये थी। और इसकी कीमत 1150 रुपये के पार जा चुकी है।

1 रुपये से लगातार बढ़ रहा इस शेयर का भाव, अब 9 पर पहुंचा, डिमांड में चमड़े वाली कंपनी का चवन्नी स्टॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट से बेहतर रिटर्न पाने के लिए लाखों लोग पेनी स्टॉक में पैसा लगाना पसंद करते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह होती हैं शेयरों की कम कीमत, क्योंकि भाव कम होने से शेयर अधिक संख्या में खरीदे जा सकते हैं। लेकिन, चवन्नी शेयरों में इन्वेस्टमेंट काफी रिस्की होता है। क्योंकि, अगर कंपनी के फंडामेंटल ठीक ना हो तो निवेश किया हुआ पैसा फंस जाता है।

हम आपको एक ऐसे पेनी स्टॉक के बारे में बताने जा रहे हैं,जिसकी कीमत महज 9 रुपये है और यह निवेशकों का पैसा नौ गुना कर चुका है।

100 करोड़ मार्केट कैप वाली कंपनी- Super Tannery Ltd, करीब 100 करोड़ के मार्केट कैप वाली कंपनी है। सुपर टैनरी, चमड़े का कारोबार करती है। यह कंपनी भैंस के चमड़े से तैयार होने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स का निर्माण करती है, इनमें लेदर, लेदर शूज और अन्य चमड़े के उत्पाद शामिल हैं।

पिछले 3 सालों में इस कंपनी का रेवेन्यू साल दर साल बढ़ा है और शुद्ध आय भी बढ़ी है। FY 2023 में कंपनी की नेट इनकम 6.32 करोड़ रुपये थी, जो 2024 में 5.85 और 2025 में बढ़कर 6.66 करोड़ रुपये हो गई है।

9 गुना कर चुका है पैसा- Super Tannery Ltd के शेयरों की कीमत साल 2014 में 1 रुपये थी और अब इसका भाव 9 रुपये है। हालांकि, पिछले एक साल में इस स्टॉक ने नेगेटिव रिटर्न दिया है जबकि 5 साल में यह शेयर निवेशकों का पैसा करीब दोगुना कर चुका है।

दिग्गज आईटी कंपनी ने किया स्टॉक स्प्लिट करने का ऐलान, जानें किस रेशियो में मिलेंगे शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आपने कोफोर्ज या सिगनिट में निवेश किया है। आपने इनके विलय की खबर पहले सुनी होंगी। अब इनके विलय को लेकर नया अपडेट आया है। दरअसल कोफर्ज और सिगनिट के मर्जर की स्कीम में थोड़ा बदलाव किया गया है। यह फेरबदल शेयर स्प्लिट को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा।

मर्जर को लेकर पहले क्या हुआ था- पिछले साल 27 दिसंबर 2024 को कोफोर्ज के बोर्ड ने यह मंजूरी दी थी कि Cigniti Technologies को Coforge में मर्ज किया जाएगा। मतलब, Cigniti की सभी जिम्मेदारियाँ, संपत्तियाँ और शेयरहोल्डर सब Coforge के पास होंगे।

अब नया क्या हुआ- अब 6 जुलाई 2025 को Coforge के बोर्ड ने इस मर्जर स्कीम में थोड़ा बदलाव किया है। ये बदलाव शेयर एक्सचेंज रेशियो में किया गया है। इसके पीछे की वजह ष्टश्वद्धश्वह्म्द्दद्ग का हाल ही में अपने शेयरों का सब-डिविजन/ स्प्लिट किया जाना है। यानी 1 शेयर को छोटे हिस्सों में बांटा गया है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

लोगों को ठगोरों ने कंगाल कर जीवनभर का दर्द दिया

ग्वालियर। साइबर ठगों का शिकार हुए लोग अपने जीवनभर की कमाई गंवा बैठे। मुश्किल है- यह वापस मिले। ठगों ने कंगाल कर जीवनभर का दर्द दिया, यह ऐसा दर्द है- जो कभी भुलाया नहीं जा सकता। अब अपनों द्वारा दी जा रही जिल्लत इन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है।

बात-बात पर इनका मजाक बनाया जाता है...इन्हें अपनों से सहानुभूति नहीं बल्कि उपहास, जिल्लत मिली। बात-बात पर इनके अपने ही ताना देते हैं...ठगी का शिकार हुए लोगों में सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे नौकरीपेशा और व्यापारी हैं। इनके साथ लाखों की ठगी हुई। अब अपनों द्वारा उपहास उड़ाए जाने से ऐसे लोग तनाव में जा रहे हैं।

कुछ ने तो लोगों से इस बारे में बात करना ही बंद कर दी। नईदुनिया ने साइबर ठगी का शिकार हुए लोगों से बात की, जिसमें उनकी पीड़ा सामने आई। पढ़िए...केस स्टडी- किस तरह से यह लोग ठगे जाने के बाद अब अपनों के ताने से किस तरह प्रताड़ित हो रहे, क्या कहते हैं- मनोवैज्ञानिक? एक साल पहले साइबर ठगों ने ठगे 28.10 लाख रुपए

मेरे साथ मई 2024 में आईसीआईसीआई बैंक की अलग-अलग

स्कीम में निवेश के नाम पर ठगी हुई थी। वेबसाइट तक फर्जी थी। मुझसे 28.10 लाख रुपए ठगे गए। अब तक सिर्फ दो लाख रुपए ही रिकवरी हुई है, आरोपित भी दो पकड़े गए। अब बाकी पैसा कब मिलेगा, यह नहीं पता। ठगी से जितना मानसिक आघात पहुंचा, उतना ही परिचितों के बार-बार पूछकर मजाक उड़ाने से भी मिला। इनका लहजा ऐसा होता है, जिससे गुस्सा आती है। हमने तो इस बारे में बात करना ही बंद कर दी।

- जितेंद्र कुमार तिवारी रिश्तेदार

मैं पीटीएस तिघरा में आरक्षक हूं। मैं आइसीआइसीआइ बैंक का क्रेडिट कार्ड चलाता हूं। मेरे पास पिछले दिनों अंजान नंबर से काल आया। काल करने वाले ने खुद को बैंक की क्रेडिट कार्ड शाखा का कर्मचारी बताया। प्वाइंट रिडीम करने के बहाने पूरी जानकारी ले ली, पासवर्ड पूछ लिया और मेरे खाते से 1.51 लाख रुपए निकाल लिए। मेरे साथ ठगी हो गई, यह जितने लोगों को लगा, बार-बार यही बोलते हैं- तुम तो पुलिस वाले हो, फिर कैसे ठग गए। लोगों को समझना चाहिए, पुलिस भी तो इंसान ही है। चूक किसी से भी हो सकती है। फिर साइबर ठगी के नए-नए तरीके तो बहुत ही खतरनाक हैं।

- शंभुदयाल

गोला का मंदिर क्षेत्र में रहने वाले डाक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया था। उनके साथ करीब 20 लाख रुपए की ठगी हुई थी। जब उनसे नईदुनिया संवाददाता ने बात की तो बोले कि अब नाम मत छापना। जब ठगी हुई थी तब लोगों के सवाल चुभने लगे थे। वह ऐसी-ऐसी बातें करते थे। अब नाम छापा जाएगा तो फिर वही सवाल होने लगेंगे।छात्रा का दर्द, माता-पिता भी अब भरोसा नहीं करते

लश्कर क्षेत्र में रहने वाली 21 वर्षीय छात्रा ने अपना दर्द नईदुनिया से साझा किया। छात्रा ने बताया कि पार्ट टाइम जाब के नाम पर उसे एक विज्ञापन दिखा था। दिसंबर 2023 में जब उसने दिए गए नंबर पर काल किया तो ऑनलाइन साक्षात्कार लिया गया।

इस दौरान ऑनलाइन नियुक्ति पत्र भी जारी कर दिया। फिर अलग-अलग टास्क दिए गए, शुरुआत में कुछ रुपए मिले। फिर और टास्क दिए गए। मुझसे करीब 30 हजार रुपए ले लिए गए। तब पता लगा कि मेरे साथ ठगी हो गई। इस घटना के बाद से माता-पिता भी भरोसा नहीं करते। सभी कहते हैं- पढ़े लिखे होकर भी ठग गए।

ठगे गए लोगों का उपहास उड़ाया जाता है। ऐसे में कई बार बदनामी के डर से लोग शिकायत करने ही आगे ही नहीं आते। जरूरत है, ऐसे समय में लोग उनका साथ दें। अगर लोग शिकायत करने ही नहीं आएंगे तो अपराधी कैसे पकड़े जाएंगे।

- चातक वाजपेयी, साइबर एक्सपर्ट।

ठगी का शिकार अब अधिकांश पढ़े-लिखे लोग हो रहे हैं। ठग इस आत्मविश्वास के साथ खुद को पेश करते हैं, कोई भी उनके झांसे में आ जाए। ठगे गए लोगों का धन तो गया, समाज में भी उन्हें क्रिटिसाइस किया जाता है। जिससे वह तनाव में आ जाते हैं। ऐसे लोग एडजस्टमेंट डिसआर्डर का शिकार होते हैं। उनके अपनों को जरूरत है, उनके साथ खड़े रहें, उन्हें संबल दें। ऐसे लोग अपनी एनर्जी को पाजीटिवली डायवर्ट कर सकते हैं। वह इस घटना से हारकर न बैठें, बल्कि जागरूकता फैलाने का काम करें। काउंसलर से सलाह लें।

- डॉ.प्रियंका शर्मा, मनोरोग विशेषज्ञ जेएएच।

मोहर्रम के जुलूस में हिंदू राष्ट्र लिखा बैनर जलाने से तनाव... बाजार बंद

सैलाना। मोहर्रम के जुलूस के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो से रतलाम जिले के सैलाना में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। सोमवार सुबह हिंदू संगठनों ने विरोध जताते हुए नगर के बाजार बंद करवा दिए। लोग चौराहे पर बैठकर सुंदरकांड पाठ करते हुए आरोपितों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। एसडीओपी नीलम बघेल, थाना प्रभारी सुरेंद्र गडरिया समेत पुलिस बल मौके पर मौजूद हैं।

वीडियो मस्जिद चौराहे का बताया जा रहा है, जहां ताजिए के आगे कुछ युवक मुंह से आग निकालने की कलाबाजी करते दिखाई दे रहे हैं। कलाबाजी करते हुए एक युवक ऊपर लगे हिंदू राष्ट लिखे झंडे की और मुंह करके आग का गुबार छोड़ते दिखाई दे रहा है।

जानकारी के मुताबिक हिंदू राष्ट का बैनर करीब दो माह पूर्व कुछ व्यक्तियों ने यहां लगाया था। बैनर जलाने के मामले में चार लोगों की शिकायत हिंदू संगठन द्वारा की गई है। इन पर पुलिस प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है।

हालांकि झंडे के जलने की कोई जानकारी नहीं मिली है। वीडियो के जारी होने के बाद हिंदू संगठनों ने विरोध जताते हुए नगर के बाजारों को बंद करवा दिया। प्रदर्शन कर रहे लोग आरोपियों से सामूहिक माफी मांगने की मांग पुलिस के सामने रख रहे हैं। फिलहाल पुलिस मौके पर मौजूद है। अभी स्थिति नियंत्रण में है।

वहां मौजूद बाकी लोग इसे देखते रहे, किसी ने उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की। इसका वीडियो सामने आने के बाद हिंदू संगठनों ने तुरंत इस तरह की हरकत करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जिसने सहेली पर फेंका था एसिड, जबलपुर जेल में उसने दूसरी महिला बंदियों की नाक में किया दम

जबलपुर। ग्वारीघाट के अवधपुरी कॉलोनी में पड़ोसी बचपन की सहेली पर तेजाब फेंकने वाली इशिता साहू को कारागार में पैनी निगरानी में रखा गया है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय कारागार पहुंचने के बाद इशिता ने अन्य महिला बंदियों के साथ अभद्रता की थी। उसके व्यवहार में आक्रामकता था। जिसे देखते हुए जेल प्रबंधन उस पर 24 घंटे निगरानी रख रहा है।

कारागार में उससे जब श्रद्धा पर तेजाब कांड को लेकर पूछा गया तो वह उत्तेजित हो गई। वह बोली कि मैं तो उस पर बोतल की पूरी तेजाब उड़ेल देना चाहती थी। लेकिन लगा कि आधे में ही काम हो जाएगा। लेकिन वह पूरी जल नहीं पाई।

अब जो होना था वह हो गया। कारगार में उसके व्यवहार से ऐसा नहीं लगता कि उसे कोई पछतावा हो। उसके आक्रामक व्यवहार व अन्य महिला बंदियों के साथ विवाद की स्थिति न बनें, इसलिए प्रहरी उस पर लगातार नजर रखते है।श्रद्धा की सुंदरता से जलती थी इशिता आरोपित इशिता की पड़ोस में रहने वाली श्रद्धा दास (23) से बचपन से दोस्ती थी। लेकिन वह मन ही मन श्रद्धा की सुंदरता और उसकी प्रशंसा से जलती थी। हाल ही में श्रद्धा की कोलकाता में एक नामी कंपनी में नौकरी लगी थी। यह पता लगने पर उसके मन में द्वेष और बढ़ गया। उसे सफलता की सीढ़ी चढ़ने से रोकने के लिए उसने 29 जून को श्रद्धा को सरप्राइज देने का बोलकर घर से बुलाया और फिर उस पर तेजाब फेंक दिया।

श्रद्धा का 50 प्रतिशत शरीर झुलस गयातेजाब के हमले में श्रद्धा का पचास प्रतिशत शरीर झुलस गया। वह अस्पताल में भर्ती है। जिसके बाद आरोपित इशिता को गिरफ्तार किया। वह केंद्रीय कारागार में बंद है। इशिता को श्रद्धा पर हमले के लिए तेजाब उपलब्ध कराने में उसके दोस्त अंश शर्मा ने सहायता किया था।साथ देने वाला अंश भी जेल में आरोपित अंश भी केंद्रीय कारागार में बंद है। उसे जेल के पश्चिमी द्वार की छोटी गोल में रखा गया है। वहीं, इशिता महिला सेल में बंद है। मामले में सिविक सेंटर स्थित अनुप्रास इंटरप्राइजेस के संचालक शक्तिनगर निवासी सत्येंद्र गुप्ता भी आरोपित है। उसपर बिना लाइसेंस के तेजाब बेचने का मामला दर्ज है।

130 करोड़ के GST घोटाले में बड़ा खुलासा, फर्जी बिल से लगाया सरकार को चूना, निशाने पर बड़े कारोबारी

भोपाल। मध्य प्रदेश सहित चार राज्यों में फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट के रूप में 130 करोड़ रुपये की जीएसटी घोटाले में बड़ी जानकारी सामने आई है। गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ में बताया है कि चोरी के कोयले का कारोबार करने के लिए फर्जी बिलिंग की जा रही थी। मामले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू की टीम ने बिलासपुर से कोयला कारोबारी शेख जफर को गिरफ्तार भी किया है।

इसी तरह से सीमेंट की जीएसटी चोरी में पता चला है कि निर्माण कार्यों में ठेकेदार फर्जी बिल लेकर मापदंड के अनुसार सीमेंट उपयोग करना दिखाते थे। जांच एजेंसी के निशाने पर सीमेंट, कोयला और स्टील के कई बड़े कारोबारी हैं। यह गड़बड़ी वर्ष 2018 से प्रारंभ हुई थी। फर्जीवाड़े का नेटवर्क मध्य प्रदेश के अतिरिक्त छत्तीसगढ़, झारखंड और महाराष्ट में फैल चुका है।

ईओडब्ल्यू की टीम ने सबसे पहले झारखंड के रांची से जबलपुर के रहने वाले विनोद सहाय को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के आधार पर बिलासपुर से शेख जफर और भोपाल से राजा शेख को गिरफ्तार किया गया है।

अमरनाथ यात्रा को स्वच्छ बना रहा इंदौर का स्वाहा, इस बार 550 टन कचरा निकलने का अनुमान

इंदौर। श्री अमरनाथ यात्रा शुरू हो गई है। अमरनाथ यात्रा श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है। श्रद्धा और आस्था में अब स्वच्छता भी जुड़ गया है। अब श्रद्धालु एक नया मंत्र गुनगुना रहे हैं। बोल बम, पर्यावरण को कचरा मुक्त रखेंगे हम। इस पवित्र यात्रा में पर्यावरण और स्वच्छता को जोड़ा है इंदौर के स्टार्टअप स्वाहा ने। जीरो लैंड फिल (कचरा मुक्त) यात्रा की सोच को हकीकत में बदल रहा है स्वाहा। स्वाहा पिछले चार वर्षों से अमरनाथ यात्रा मार्ग को कचरा मुक्त बना रहा है। जम्मू कश्मीर के डायरेक्टरेट ऑफ़ रूरल सैनिटेशन द्वारा यह कार्य स्वाहा को सौंपा गया है ! इस बार यात्रा मार्ग में करीब 550 टन कचरा निकलने का अनुमान है।

कचरे से भर जाती हैं पहाड़ियां- आरडीडी और पंचायती राज के सेक्रेटरी आईएएस एजाज असद और डायरेक्टरेट ऑफ रूरल सनिटेशन की डीजी अनू मल्होत्रा ने बताया कि पिछली कई यात्राओं से यात्री बड़ी संख्या में पहाड़ियों पर टनों से कचरा छोड़ते आ रहे थे। पिछले चार साल में इस तस्वीर को बदला है। अब यात्रा के बाद पूरा अमरनाथ यात्रा मार्ग कचरा मुक्त दिखता है। इंदौर के स्टॉर्टअप स्वाहा टीम ने इस काम को किया है। अब यात्रा मार्ग की पहाड़ियां और नदिया प्लास्टिक और गंदगी मुक्त हैं।

लगातार चौथा साल- स्वाहा के सह संस्थापक समीर शर्मा ने बताया ये लगातार चौथा वर्ष है जब पहाड़ों और घाटियों की सफाई के लिए जम्मू और कश्मीर के युवाओं के साथ मिलकर इस मिशन को सफल बनाने के संकल्प पर स्वाहा जुटा हुआ है। इस अभियान का लक्ष्य है शून्य अपशिष्ट यात्रा। यानि यात्रा के बाद कोई अपशिष्ट बचा न दिखे। स्वाहा के संस्थापकों में दो आईआईटीयन हैं ज्वलंत शाह और रोहित अग्रवाल। रोहित ने बताया कि सबसे बड़ी चुनौती लंगरों से निकलने वाले फ़ूड वेस्ट की थी। लंगर वाले अपने यहां निकला जूठन और दूसरे कचरे को या तो पहाड़ी में डाल देते थे या नदी में प्रवाहित कर देते थे। इससे निपटने के लिए लंगरों को स्वाहा कि टीम प्रशिक्षण दे रही है कि कचरे को सेग्रीगेट करें ताकि उसकी खाद बनाई जा सके। स्वाहा मिक्स कचरे का कलेक्शन नहीं करेगी। इससे सोर्स से ही गीला और सूखा कचरा अलग किया जा रहा है।

निःशुल्क कपड़ों के थैलों को बांटा जा रहा- ज्वलंत शाह ने बताया कि आने वाले यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। यात्रा में निःशुल्क कपड़ों के थैलों को बेस कैंप से गुफा तक बांटा जा रहा है।

सेल्फी के लिए जोखिम उठा रहे लोग, पर्यटक स्थलों पर भारी भीड़, तालाब में डूबा ज्योतिष

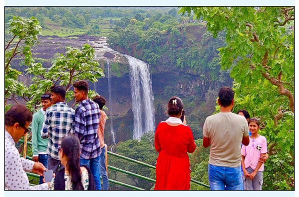

इंदौर। रविवार को इंदौर के पर्यटक स्थलों पर भारी भीड़ देखी गई, जिसमें स्टूडेंट्स की संख्या अधिक रही। पुलिस लगातार लोगों को चेतावनी देती रही, लेकिन कुछ लोग अब भी जोखिम उठाते दिखे। इंदौर के आसपास स्थित पिकनिक स्थलों पर बढ़ते हादसों को देखते हुए प्रशासन ने कमर कस ली है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि वीकेंड के दौरान पिकनिक स्पॉट्स पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करें। इसके साथ कलेक्टर आशीष सिंह ने तिंछा फॉल, चोरल फॉल, सीतलामाता फॉल, कजलीगढ़, मेहंदी कुण्ड, जामन्या कुण्ड जैसे 100 से अधिक एकांत और खतरनाक पर्यटन स्थलों पर प्रतिबंध लागू कर दिया है। इन सब प्रयासों के बावजूद भी रविवार को कई जगह लोग एकांत में और खतरनाक जगहों पर जाते दिखे। वहीं इंदौर के पास खुड़ैल के पेडमी गांव में एक ज्योतिष वैभव (45) पुत्र जगदीश जोशी की डूबने से मौत हो गई। वह अपने दो दोस्तों के साथ यहां पहुंचा था। शाम के समय वह तालाब में कमल तोड़ने गया था। इस दौरान वह पानी में दलदल में फंस गया और बाहर नहीं निकल पाया। दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी। रात में सर्चिंग कर उसका शव रविवार को बरामद किया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पिछले एक वर्ष में इन पर्यटक स्थलों पर 15 से ज्यादा हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोगों की जान भी गई है।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा- 2026 ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ - अंतिम तिथि 29 जुलाई

इंदौर। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 के कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए आवेदन ऑनलाइन उपलब्ध हैं। वे ही छात्र-छात्राएँ आवेदन के पात्र हैं जो शासकीय, अशासकीय, ई.जी.एस के कक्षा पाँचवी में अध्ययनरत हैं तथा जिनका जन्म 01 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के मध्य हुआ हो। आवेदनकर्ता ने कक्षा तीसरी, चौथी, पाँचवीं में लगातार प्रत्येक पूर्ण सत्र में अध्ययन किया हो तथा एक ही कक्षा में पुनरावृत्ति न की हो। विद्यालय में छात्र, छात्राओं को शिक्षा, आवास, भोजन, यूनिफॉर्म, पाठ्य-पुस्तक एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएँ निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। जिसके अतिरिक्त नवीन शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत छात्र, छात्राओं को कम्प्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास की सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

चयन परीक्षा 13 दिसम्बर 2025 शनिवार को आयोजित होगी। चयन परीक्षा के आवेदन केवल ऑनलाइन भरे जाएँगे। आवेदन की वेबसाइटें एवं से आवेदन फॉर्म भरे जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय, रातीबड़, भोपाल के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 है। अधिक जानकारी के लिए 0755-2896325, 9584359571 पर संपर्क किया जा सकता है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

इंदौर। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा केंद्र और राज्य सरकार की पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु इंदौर स्थित रेसीडेंसी कोठी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बुरहानपुर कलेक्टर श्री हर्ष सिंह, जिला पंचायत इंदौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन तथा कमिश्नर कार्यालय इंदौर की डिप्टी कमिश्नर श्रीमती सपना लौवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, इंदौर श्री अनिल कुमार सोनी ने संभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024ङ्क25 में अब तक 51669 विद्यार्थियों को ?120.75 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है।

सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत एमपीपीएससी एवं यूपीएससी में चयनित 230 विद्यार्थियों को ?40.30 लाख, एवं विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना में 23 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

आयोग के अध्यक्ष श्री हंसराज अहीर ने योजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी व जवाबदेह बनाने पर बल दिया।

बातों-बातों में मिली जानकारी को युवा ने आईडिया में बदला, आज उसी आईडिया से 9 लाख तक होने लगी कमाई

इंदौर। कोई एक आईडिया ही आपके जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। इसकी नायाब मिसाल इंदौर सम्भाग के कसरावद तहसील में डेडग़ांव के रहने वाले युवा किसान अखिलेश ने पेश की है।

उनका कहना है कि आज से करीब 4 वर्ष पहले गांव के तालाब पर ठहलते हुए मत्स्य निरीक्षक श्री नयन महाले ने मछली पालन की तरकीबें और योजना बताई। उसी समय अखिलेश ने उनकी बातों को आईडिया में बदला और विकसित करने का मन बना लिया। इसकी शुरुआत उन्होंने 2021 में खुद के व्यय से शुरू की। इसके लिए उन्होंने अपने खेत में तालाब बनाकर की। जब मुनाफा हुआ तो अपने आईडिया को बड़े सपने में बदल दिया। आज अखिलेश अपने तीन तालाबों से साल में 9 लाख रुपये मछली पालन से ही करने में सफल हुए है।

अखिलेश बताते है कि मत्स्य अधिकारी श्री महाले ने मछली पालन के तरीके बताए तो प्रभावित होकर काम शुरू किया। इसके बाद वे हर 15 दिनों में तकनीकी तौर पर जानकारी देने के लिए आते रहें। अखिलेश ने मत्स्य विभाग के मार्गदर्शन में 1 एकड़ जमीन पर 3 तालाबों से हाई डेंसिटी तकनीक से मछली पालन का व्यवसाय खड़ा कर लिया।

35 हजार नग फंगस प्रजाति की नर्सरी से करते है शुरू- अखिलेश ने बताया कि उन्होंने शुरू में आंध्रप्रदेश से फंगस नामक प्रजाति की मछली के बीज लेकर आये। इसके लिए नर्सरी बनवाई। फिर जब बड़ी हुई तो बड़े पौंड में उनका पालन करते है। मछली की देखरेख के लिए विशेष प्रकार का दाना देकर पालन करते है।

श्री संजय कदम बने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निज सचिव

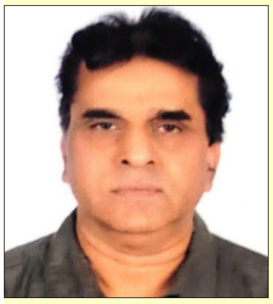

इंदौर। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार श्री संजय मनोहर कदम को नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय का निज सचिव नियुक्त किया गया है। श्री कदम की यह पदस्थापना शासन द्वारा उनके अनुभव एवं प्रशासनिक दक्षता को दृष्टिगत रखते हुए की गई है। श्री कदम की यह पदस्थापना आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगी।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए 9वीं से कॉलेज तक के लिए विद्यार्थियों को करना होगा वन टाइम रजिस्ट्रेशन

इंदौर। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के कक्षा 9वीं से महाविद्यालयीन स्तर तक अध्ययनरत विद्यार्थी, जिन्हें केंद्र प्रवर्तित प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त होता है और जिनकी निर्धारित वार्षिक पारिवारिक आय 2.50 लाख से कम है,उन्हें वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। विद्यार्थियों द्वारा एक बार ह्ड्ढक्र नंबर प्राप्त कर लिए जाने के पश्चात भविष्य में भी आगामी कक्षाओं में इसी नंबर के आधार पर छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। जिसके लिए पृथक से पुनः वन टाइम रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं रहेगी। यह प्रक्रिया 30 जुलाई 2025 से पूर्व करना अनिवार्य है। यह कार्य समस्त स्कूल, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय और छात्रावास अधीक्षकों द्वारा कराया जाएगा एवं स्वयं विद्यार्थी भी इस कार्य को कर सकते हैं।

नगर परिषद गौतमपुरा के उपनिर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रेक्षक किया नियुक्त

इंदौर। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जिले की नगर परिषद गौतमपुरा के वार्ड क्रमांक-15 के उपनिर्वाचन-2025 पूर्वार्द्ध के लिए प्रेक्षक श्री मदनसिंह ठाकुर को नियुक्त किया है। नियुक्त प्रेक्षक श्री ठाकुर रविवार 06 जुलाई को गौतमपुरा पहुँचे है।

डॉक्टरों ने थामा माइक और गिटार, ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित किया कार्यक्रम

इंदौर। आनंद मोहन माथुर सभागृह में रविवार शाम को एक अनोखा नजारा देखने को मिला। सर्जरी, स्कैन और स्टेथोस्कोप से रोजाना लोगों की जिंदगी संवारने वाले डॉक्टरों ने जब माइक, सेक्सोफोन और गिटार संभाला, तो मंच पर सिर्फ संगीत नहीं गूंजा बल्कि श्रोताओं को 'हीलिंग' का नया अनुभव मिला। 'द हीलिंग स्टॉर्म' नाम से डॉक्टरों के इस बैंड ने शहर में पहली बार लाइव कॉन्सर्ट किया, जिसमें बॉलीवुड से लेकर सूफी तक हर रंग के गाने पेश किए गए।

डॉक्टर्स ने बजाए हर वाद्य, सेक्सोफोन से लेकर कांगो-बोंगो तक- बैंड की खास बात यह रही कि मंच पर सिर्फ डॉक्टर ही नहीं गा रहे थे, बल्कि हर वाद्य यंत्र भी वे खुद ही बजा रहे थे। रुमेटोलॉजिस्ट डॉ. अक्षत पांडे सिंगिंग के साथ सेक्सोफोन और हैंडपैन बजाते नजर आए। लीड वोकलिस्ट रेडियोलॉजिस्ट डॉ. शेलेक्षी वर्मा की आवाज ने समां बांधा। प्लास्टिक सर्जन डॉ. अश्विनी डैश ने गिटार पर कमाल किया, जबकि न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुशांत आहिलदासानी ने रिदम गिटार से ताल दी। पैथोलॉजिस्ट डॉ. अमित वर्मा कांगो-बोंगो जैसे परकशन इंस्ट्रूमेंट्स पर धमाकेदार परफॉर्मेंस दी। बेस गिटारिस्ट हिमांशु वर्मा थे जिनके साथ ऋषभ जैन और आनंद बेनल ने खूबसूरत प्रस्तुति दी।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

कलेक्टर ने चिंतामण जवासिया स्थित शाफ़्ट 2 में उतरकर टनल निर्माण का कार्य देखा

कान्ह क्लोज़ डक्ट डायवर्शन परियोजना के निर्माणरत कार्य का निरीक्षण किया

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के विज़न अनुरूप सिंहस्थ 2028 का अनुभव श्रद्धालुओं के लिए भव्य और दिव्य बनाने के लिए और मां शिप्रा को स्वच्छ और अविरल बनाने निर्माणरत कान्ह क्लोज़ डक्ट परियोजना के कार्य का सोमवार दोपहर कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने योजनांतर्गत निर्माणाधीन चिंतामण जवासिया स्थित शाफ़्ट 2 में उतरकर टनल निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण कर कलेक्टर श्री सिंह ने कार्य की प्रगति लक्ष्यनुसार करने,कार्य में गुणवत्ता और मापदंडों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने डक्ट से नीचे उतरकर टनल के अंदर जाकर टनल निर्माण कार्य का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने स्ट्रेटा क्लासीफिकेशन के अनुसार टनल का कार्य करने और सभी कार्यों में सुरक्षा का विशेष ध्यान देने के निर्देश जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी कि टनल में पानी निकालने और एयर की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। अभी तक लगभग 3.45 किमी टनल निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है उसमें आधुनिक तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री मयंक सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

काव्य गोष्ठी में ही विविधता में एकता संभव है - प्रो नागेश्वर राव

उज्जैन। काव्य गोष्ठियां नवीन रचनाकर्म के लिए जरुरी हैं। काव्य गोष्ठी में ही विविधता में एकता संभव है और काव्य गोष्ठियां से मौलिक विचारों का सृजन होता है। काव्य गोष्ठियां से हमें अपनी मौलिकता को आगे बढ़ाते रहना चाहिए।

ये विचार मध्यप्रदेश लेखक संघ की लोकभाषा काव्य गोष्ठी के प्रमुख अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने व्यक्त किये। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. हरिमोहन बुधौलिया ने सार्थक आयोजन के लिए सभी रचनाकारों को बधाई देते हुए कहा कि हमें अपनी भाषाओं और बोलियों को सहेजना होगा। विशेष अतिथि श्रीकृष्ण जोशी एवं प्रो. शिव चौरसिया ने भी अपने उदगार व्यक्त किये।

लोकभाषा गोष्ठी का आरंभ मध्यप्रदेश लेखक संघ के सचिव डॉ. हरीशकुमार सिंह की हास्य व्यंग्य कविता 'रात भर खंजर ले करते रहे जो कत्लेआम, शांति समिति में आज वही आने वाले होंगे' से हुआ। प्रफुल्ल शुक्ला ने शारदे को नमन कर फिर कविता बनाइए। सन्तोष सुपेकर ने उनका अपना घर सीमेंट का नहीं है जो घर बनाते बनाते खुद सीमेंट हो गए। डॉ. राजेश रावल ने प्यारी मीठी मालवी में गयो जेठ अइयो असाड़ सावन की आस जगी। संदीप सृजन ने सावन की बरसात की सबको मुबारकबाद।

सुरेश यादव ने प्रेम एक लगन है, कवयित्री नेत्रा रावणकर ने कविता सदैव शुभ होती है। डॉ. आर पी तिवारी ने मधुर गीत उपहार प्रकृति का यूं ही गाती रहना सुनाकर दाद बटोरी। डॉ. क्षमा सिसौदिया ने यादें ना कभी ताजी होती है ना कभी बासी। दिलीप जैन ने सफलता की कभी मंजिल नही होती, अखिलेश चौरे ने सांसे गिनती की पर पवन की सीमा कोई नही। मानसिंह शरद ने फसलों की जगह किसने बारूद बोया है। गोपालकृष्ण निगम, गीतकार खूबचंद कलमोदिया ने मालवी में मालवा को मीठा भोजन गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पिता के संघर्षों ने बेटे मौसम असाटी को बनाया सीए

उज्जैन। मौसम असाटी ने महज 24 वर्ष की आयु में अपने प्रथम प्रयास में सीए परीक्षा उत्तीर्ण कर उज्जैन शहर का नाम गौरवान्वित किया है।

शिप्रा विहार कॉलोनी निवासी दिनेश असाटी ने अपने अथक परिश्रम से बेटे मौसम असाटी को सीए बनाया। बेटे की सफलता की खबर सुनकर मां सपना असाटी की आंखों से खुशी के आंसू छलक उठे। मौसम की उल्लेखनीय सफलता पर परिजनों सहित समाजजनों एवं मित्रों में हर्ष का माहौल है। सीए मौसम असाटी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता, गुरुजन के आशीर्वाद के साथ कठिन परिश्रम, संकल्प एवं मेहनत को बताया। यह जानकारी प्रियंका परमार द्वारा दी गई।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ने मनाया कीर्तिसुधाजी म.सा.का 54 वाँ दीक्षा दिवस

उज्जैन। राष्ट्रसंत आचार्य भगवंत प.पू.श्री आनंदऋषिजी म.सा. के मुखारविंद से 29 जून 1972 को शाजापुर में दीक्षीत एवं मालवज्योति गुरुणी मैय्या पू.श्री वल्लभकुंवरजी म. सा. की प्रथम सुशिष्या जिनशासन प्रभाविका, ज्ञानगंगोत्री,मेवाड़ सौरभ,मालवकीर्ति, उपप्रवर्तिनी,प.पू.श्री कीर्तिसुधाजी म.सा. का 54 वाँ दीक्षा दिवस 29 जून 2025 रविवार को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ नमकमंडी उज्जैन के तत्वावधान में संघ के पदाधिकारियों, सम्मानीय सदस्यों, युवक संघ, बहुमंडल, महिला मण्डल व बाहर से पधारे अतिथियों की उपस्थिति में श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर तुलसी नगर के आराधना भवन में सामायिक दिवस के रूप मनाया गया। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने पूज्या महासती जी म.सा.का गुणानुवाद किया,कार्यक्रम का सफल संचालन सुनील जी श्रीमाल ने किया,कार्यक्रम के पश्चात पधारे हुए सभी महानुभावों के स्वल्पाहार का लाभ स्थानकवासी श्रीसंघ नमकमंडी ने लिया।

उज्जैन का गौरव बढ़ाया क्रिश गर्ग बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

उज्जैन। नगर में हर्ष का माहौल छा गया जब स्थानीय युवा क्रिश गर्ग पुत्र शैलेंद्र गर्ग ने प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की उपाधि प्राप्त कर ली। अपने अथक परिश्रम, दृढ़ निश्चय एवं लगन से क्रिश ने यह महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया। क्रिश की प्रारंभिक शिक्षा उज्जैन नगर के कार्मेल कान्वेंट स्कूल और संत मैरी स्कूल से हुई। उन्होंने निरंतर कठिन परिश्रम कर सीए की चुनौतीपूर्ण परीक्षा में सफलता प्राप्त की। उनके इस उपलब्धि पर परिजनों, मित्रों, शिक्षकों और समाजजनों ने हर्ष व्यक्त करते

हुए उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दीं। कविता गर्ग के अनुसार क्रिश बचपन से ही पढ़ाई में प्रतिभाशाली रहे हैं और यह सफलता उनके निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है। अग्रवाल समाज, भारत विकास परिषद शाखा उज्जैन एवं शिक्षा क्षेत्र से जुड़े गणमान्यजनों ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आचार्यश्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा. का केसरियानाथ यक्षराज माणिभद्र में हुआ चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

उज्जैन। 7 जुलाई की सुबह श्रीसंघ की नवकारसी के पश्चात भैरवगढ़ जेल रोड से आचार्यश्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा., आचार्य सागरचंद्रसागर म.सा., आचार्य सौम्यचंद्रसागरजी म.सा., आचार्य विवेकचंद्रसागरजी म.सा. आदि ठाना 8 के साथ प्रातः 9 बजे सामैया आरम्भ हुआ। जिसमें इंदौर, देवास, रतलाम, नागदा, खाचरोद, मंदसौर, महिदपुर, माण्डवगढ़, भावनगर, बदनावर, धार, सूरत, अहमदाबाद, पालिताणा, बांसवाड़ा, राजगढ़, धुलिया, देपालपुर आदि स्थानों से श्रद्धान्वित श्रावक और श्राविका व श्रीसंघ सफ़ेद व केसरिया वस्त्र में सम्मलित हुए।

साथ ही श्री तेरापंथ महिला मण्डल नयापुरा, श्री श्रेयांसनाथ महिला मण्डल नयापुरा, श्री वर्धमान स्थानक महिला मण्डल नयापुरा व श्री आदेश्वर-चन्द्रप्रभु महिला व बहु मण्डल नयापुरा कलश लेकर मुख्य रूप से सम्मलित हुए। बैंड-बाजो के साथ सामैया श्री माणिभद्र वीर तीर्थ पंहुचा। तत्पश्चात आचार्यश्री के श्री मुख से धर्मसभा आरम्भ हुई। आचार्य श्रीअशोकसागरसूरीश्वर म.सा. ने कहा कि अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह, और ब्रह्मचर्य जैसे जैन सिद्धांतों पर चलकर प्रत्येक प्राणी मोक्ष प्राप्त कर सकता है। कर्मों के फल, आत्मा के स्वरूप और निर्वाण की प्राप्ति पर आचार्यश्री ने उपदेश दिया। आचार्यश्री सागरचंद्रसागरजी म. सा. ने सांसारिक वस्तुओं के प्रति अनासक्ति, दूसरों के प्रति दया, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने के महत्व पर मार्मिक उपदेश दिया। आचार्य श्री सौम्यचंद्रसागरजी म.सा. ने उत्तम, उत्कृष्ट, सर्वोत्तम शत्रुंजय तप की महिमा बताई एवं 17 जुलाई से आरम्भ होने वाले शत्रुंजय तप में अधिक से अधिक आराधको को आराधना करके समृद्धि, उत्कर्ष, पूर्णता प्राप्त करने का मार्ग बताया। गुरु पूजन का लाभ चातुर्मास समिति के अध्यक्ष व मुख्य लाभार्थी प्रकाशचंद्र पीयूष कुमार सांवरा परिवार राजनगर उज्जैन परिवार ने लिया। गुरुदेव को कमली वैराने का लाभ ज्ञानचंद्र सुराणा परिवार रतलाम वालो ने लिया। धर्मसभा के बाद सकल श्रीसंघ का स्वामिवात्सल्य का आयोजन हुआ। समाजसेवी व जनसेवक नारायण यादव, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नेता प्रतिपक्ष रवि राय, पार्षद सपना सांखला आदि ने मुख्य रूप से सम्मलित होकर गुरुदेव का आर्शीवाद लिया। साथ ही श्रीसंघ के अध्यक्ष सुभाष दुग्गड, अभय मेहता, शेखर कोचर, रमेशचंद्र मूणत, बागमल गांधी, कमल पिछोलिया, प्रकाश सांवरा, अश्विन मेहता, ललित बम, राजेश कांकरिया, संतोष भड़क्तिया, अर्पित कोचर, रविंद्र डागा, तरुण सालेचा, अमित खाबिया आदि।

श्री गजानन महाराज मंदिर में 4 दिवसीय श्री सामवेद संहिता यज्ञ प्रारंभ

उज्जैन। श्री भागवत धर्म सेवा न्यास द्वारा संचालित श्री गजानन महाराज मंदिर सेठी नगर में 7 जुलाई से चार दिवसीय श्री सामवेद संहिता यज्ञ का शुभारंभ किया गया।

यह यज्ञ नांदेड़ महाराष्ट्र से पधारे वेद मूर्ति अतुल सीतापति के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। चार दिन तक निरंतर अग्निकुंड में अग्नि को प्रज्वलित रखा जाएगा व सुबह 7:30 से 11:00 बजे तक आहुति दी जाएगी। यज्ञ की पूर्णाहुति 10 जुलाई को सुबह 10 बजे की जाएगी। इसके बाद श्रीमहाराज की महाआरती की जाएगी। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष डॉ .मुकुंद गोखले व सचिव हर्षवर्धन गोरे द्वारा दी गई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com